एथनॉल ब्लेंडिंग के लिए 10% की लिमिट पर सरकार का विचार

[श्रेया जय | नई दिल्ली]

पेट्रोलियम मिनिस्ट्री पेट्रोल में एथनॉल ब्लेंडिंग की सीमा 10 फीसदी तय कर सकती है। इस कदम से एथनॉल सप्लाई करने वाली शुगर इंडस्ट्री और पेट्रोलियम कंपनियों के बीच ब्लेंडिंग रेशियो को लेकर विवाद खत्म होने की उम्मीद है।

मिनिस्ट्री के वरिष्ठ अधिकारियों ने ईटी को बताया, 'ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री के बताए तकनीकी कारणों के मुताबिक पेट्रोल में 10 फीसदी से ज्यादा ब्लेंडिंग नहीं हो सकती।' पेट्रोल में एथनॉल ब्लेंडिंग प्रतिशत बढ़ाए जाने की मांग पर मिनिस्ट्री 'एथनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम (ईबीपी)' के सभी स्टेकहोल्डर्स के साथ विचार-विमर्श कर रही है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को एथनॉल सप्लाई करने वाली शुगर इंडस्ट्री इस ब्लेंडिंग को अनिवार्य पांच फीसदी से बढ़ाकर 15 फीसदी करने के लिए दबाव डाल रही है। ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर नितिन गडकरी ने ऐसे फ्यूल मिक्स की संभावना खोजने की इच्छा जताई है जिसमें 85 फीसदी एथनॉल हो। हालांकि, ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स का कहना है कि कारों की मौजूदा जेनरेशन के लिए एथनॉल की 10 फीसदी से ज्यादा ब्लेंडिंग ठीक नहीं होगी।

विवाद खत्म होने की उम्मीद

पेट्रोलियम मिनिस्ट्री के इस कदम से एथनॉल सप्लाई करने वाली शुगर इंडस्ट्री और पेट्रोलियम कंपनियों के बीच ब्लेंडिंग रेशियो को लेकर विवाद खत्म होने की उम्मीद है

एथनॉल के ज्यादा प्रॉडक्शन सोर्स के साथ शुगर सेक्टर को रिवाइव करने के मकसद से पिछले हफ्ते पेट्रोलियम, फूड, एग्रीकल्चर, ट्रांसपोर्ट मिनिस्ट्री के साथ चीनी प्रॉडक्शन करने वाले उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के राज्यों के स्टेकहोल्डर्स की मीटिंग हुई थी। पेट्रोलियम मिनिस्ट्री इस योजना के तहत एथनॉल का प्राइस बढ़ाने पर भी विचार कर रही है। अधिकारियों ने कहा, 'एथनॉल की कीमत नीचे नहीं जाएगी।'

पर्यावरण अनुकूल फ्यूल को प्रमोट करने और ऑयल इम्पोर्ट बिल घटाने के मकसद से 2013 में ईबीपी को लॉन्च किया गया था। इसके तहत पेट्रोल में पांच फीसदी एथनॉल की ब्लेंडिंग की जाती है। शुगर इंडस्ट्री का कहना है कि पेट्रोल में पांच फीसदी एथनॉल की अनिवार्य ब्लेंडिंग से पेट्रोलियम कंपनियों को प्रति लीटर सालाना छह रुपये बचाने में मदद मिल सकती है। हालांकि, कुछ मुश्किलों की वजह से अभी तक पूरे देश में पांच फीसदी ब्लेंडिंग का लक्ष्य हासिल नहीं किया जा सका है इंडियन ऑयल कॉर्प (आईओसी) के डेटा के मुताबिक, कंपनी ने उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के शोलापुर और अहमदनगर डिपो में 10 फीसदी एथनॉल ब्लेंडिंग को लागू किया है। दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, आंध्र प्रदेश और बिहार में पांच फीसदी ब्लेंडिंग की जा रही है।

शुगर इंडस्ट्री एथनॉल की प्रोक्योरमेंट प्राइस बढ़ाने की मांग कर रही है। पिछले वर्ष जारी पहले टेंडर से सप्लाई 39-42 रुपये प्रति लीटर के प्राइस बैंड पर खरीदी गई थी, लेकिन तीन सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों ने जनवरी में फैसला किया था कि वे केवल उन्हीं बिडर्स से एथनॉल खरीदेंगी, जो उनके 44 रुपये प्रति लीटर के बेंचमार्क प्राइस से मेल खाएंगे। इस आधार पर चीनी मिलों से 36 करोड़ लीटर की एथनॉल सप्लाई रिजेक्ट कर दी गई थी।

इकनॉमिक टाइम्स

17/6/14